SEM-III -आ.हिंदी

डॉ.जशाभाई आपका स्वागत करता है।

SEM-3आधु. हिंदी कविता

जन्म सन्1927,खलीलाबाद, बस्ती,(उ.प.)निधन-1983
तीसरे सप्तक में स्थान नयी कविता की दूसरी पीढ़ी के कवि
समसामयिक दबाव की आवेशात्मक प्रतिक्रिया, सरल-सहज भाषा,कलात्मक अभिव्यक्ति
सामाजिक चेतना तथा जनवादीस्वर
खूंटियों पर टँगे लोग पर साहित्य अकादमी पुरस्कार
काठ की घंटियाँ,बाँस का पुल,एक सुनी नाव,गर्म हवाएँ,कुआनो नदी

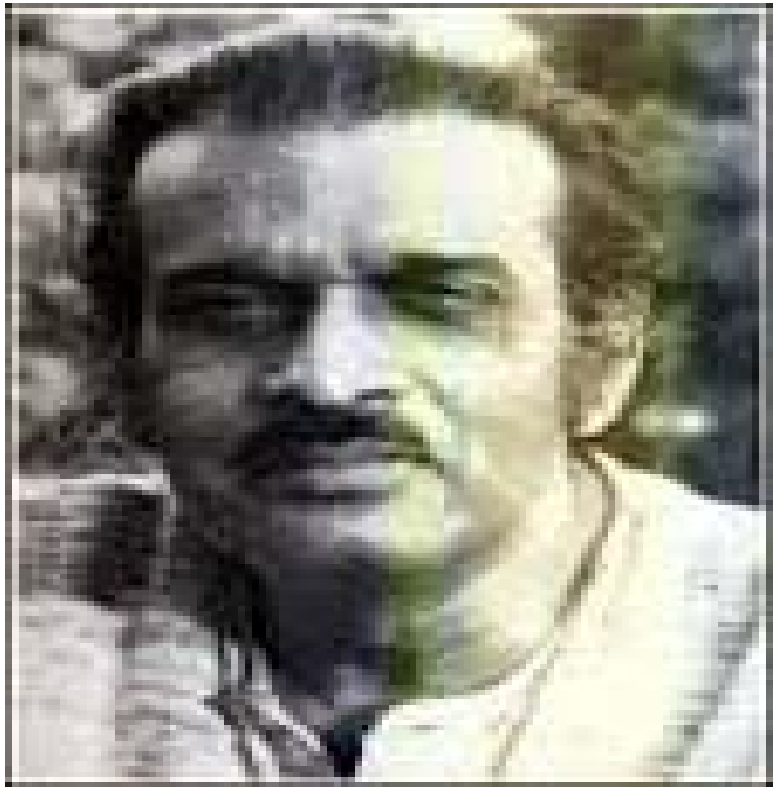

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

भूख -सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

जब भी
भूख से लड़ने
कोई खड़ा हो जाता है
सुन्दर दीखने लगता है।
झपटता बाज,
फन उठाये साँप,
दो पैरों पर खड़ी
काँटों से नन्हीं पत्तियाँ खाती बकरी,
दबे पाँव पर झाड़ियों में चलता चीता,
डाल पर उलटा लटका
फल कुतरता तोता,
या इन सबकी जगह
आदमी होता । जब.....

भूख-सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

जब भी
भूख से लड़ने
कोई खड़ा हो जाता है
सुन्द दीखने लगता है।
झपटता बाज,
फन उठाये साँप,
दो पैरों पर खड़ी
काँटों से नन्हीं पत्तियाँ खाती बकरी,
दबे पाँव पर झाड़ियों में चलता चीता,
डाल पर उलटा लटका
फल कुतरता तोता,
या इन सबकी जगह
आदमी होता । जब.....

झपटता बाज,

फन उठाये साँप,

दो पैरों पर खड़ी, काँटों से नन्हीं
पत्तियाँ खाती बकरी,

दबे पाँव पर झाड़ियों में चलता चीता,

डाल पर उलटा लटका
फल कुतरता तोता,

या इन सबकी जगह
आदमी होता ।
जब भी
भूख से लड़ने
कोई खड़ा हो जाता है
सुन्दर दीखने लगता है।
© Jason Brown 2007

SEM-2आधु. हिंदी कविता

पिछड़ा आदमी

जब सब बोलते थे
वह चुप रहता था,

जब सब चलते थे
वह पीछे हो जाता था,

जब सब खाने पर टूटते थे
वह अलग बैठा टूँगता रहता था,

जब सब निढाल हो सो जाते थे
वह शून्य में टकटकी लगाए रहता था
लेकिन जब गोली चली
तब सबसे पहले
वही मारा गया।।

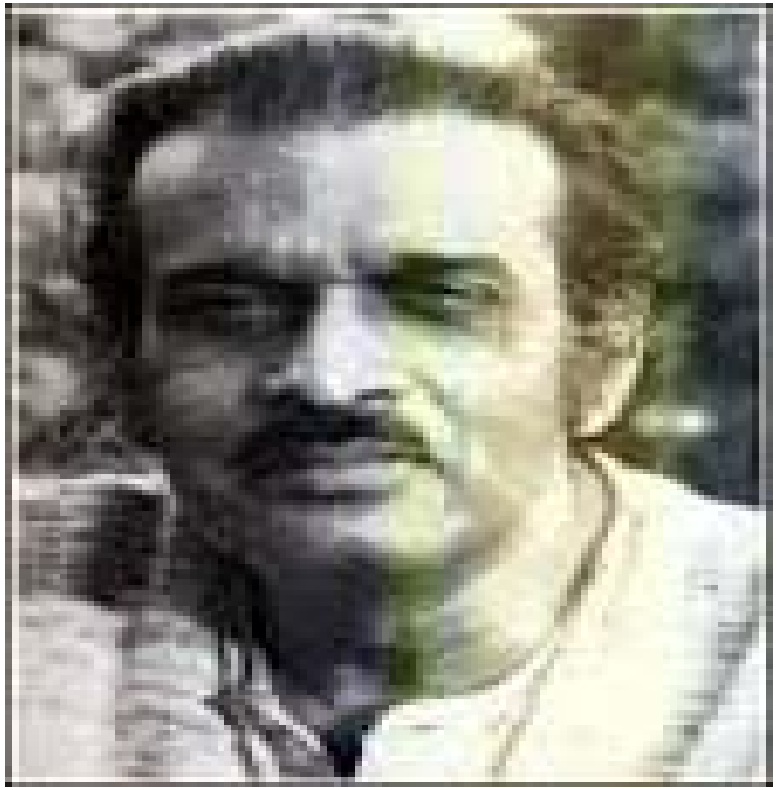

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

SEM-2आधु. हिंदी कविता

पत्नी की मृत्यु पर

बाये हाथ में ले
अपना कटा हुआ दाहिना हाथ
बैठा हूँ मैं घर के उस कोने में
जिसे तुम्हारी मौत
कितनी सफाई से खाली कर गयी है।

SEM-2आधु. हिंदी कविता

पत्नी की मृत्यु पर

अब यहाँ शाम
बिना पैर धोये आती है
और किसी बुझी भट्टी में
सोये हुए कुत्ते की तरह
बदन झटकर चली जाती है।
सितार पर रात भर रेंगता है मकड़ा
पर कोई भी तार झंकृत नहीं होता
स्तब्ध है आयु
एक फेंका हुआ पत्थर जैसे
आकाश में ही रुक गया हो।

बिम्ब का सुंदर उदाहरण

SEM-2आधु. हिंदी कविता

पत्नी की मृत्यु पर

देह का धर्म है
सहना, फिर न रहना
क्या इतना ही था
तुम्हें मुझसे कहना।

घर के उस खाली कोने में
छोड़ गयी हो तुम एक शिलालेख जो
मैं हूः

स्त्री की यथार्थता
का सुंदर उदाहरण

SEM-2आधु. हिंदी कविता

लीक पर वे चलें

लीक पर वे चलें जिनके
चरण दुर्बल और हारे हैं,
हमें तो जो हमारी यात्रा से बने
ऐसे अनिर्मित पन्थ प्यारे हैं।

कर्मठता का
सुंदर उदाहरण